**Ans. (a) :** प्रसिद्ध पेंटिंग 'गीत गोविंद' मेवाड़ शैली से सम्बन्धित है। इस शैली का सबसे प्राचीन चित्रित ग्रंथ श्रावक प्रतिक्रमणसूत्र चूर्णि है जिसे महारावल तेजसिंह के शासन काल में चित्रित किया गया। महाराज अमर सिंह प्रथम का शासन काल मेवाड़ चित्रकला के इतिहास का स्वर्ण युग माना जाता है। मेवाड़ शैली के प्रमुख चित्रकार कमलचंद्र, हीरानन्द, मनोहर, जगन्नाथ, साहिबदीन, निसारदीन (नासिरूद्दीन) इत्यादि थे।

**113. चित्रकार निसारदीन और साहिबदीन किस चित्रकला शैली से संबंधित थे?**

(a) बीकानेर (b) जयपुर
(c) मेवाड़ (d) बूंदी

**वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I**

**Ans. (c) :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**114. निम्नलिखित में से कौन सी राजस्थानी चित्रकला शैली, चौरापंचसिका शैली से मिलती जुलती है?**

(a) किशनगढ़ शैली (b) जोधपुर शैली
(c) बीकानेर शैली (d) मेवाड़ शैली

**मोटर वाहन उप-निरीक्षक -2021 (Paper-I)**

**Ans. (d) –** राजस्थान की मेवाड़ चित्रकला शैली, चौरापंचसिका शैली से मिलती जुलती है। मेवाड़ चित्रकला शैली के चित्रकारों ने चमकदार लाल, पीले और केसरिया रंगों का बहुतायत से प्रयोग किया है। इस शैली के प्रमुख केन्द्र उदयपुर, नाथद्वारा और चावंड आदि है। राजस्थानी चित्रकला का जन्म स्थान मेवाड़ क्षेत्र को माना जाता है।

**115. किस क्षेत्र को राजस्थानी चित्रकला का जन्मस्थान माना जाता है?**

(a) हाड़ौती (b) मारवाड़
(c) मेवाड़ (d) ढूँढाड़

**RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I**

**Ans. (c) :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**116. ''श्रावक प्रतिक्रमण चूर्णि'' नामक चित्रित ग्रंथ राजस्थान की किस शैली में है?**

(a) मारवाड़ (b) मेवाड़
(c) कोटा (d) दृढ़ाड़

**JEN Civil Diploma 21.08.2016**

**Ans. (b) –** ''श्रावक प्रतिक्रमण चूर्णि'' (सावग पड़िकमण सूत चुन्नी) नामक चित्रित ग्रंथ मेवाड़ शैली में है। राजस्थानी चित्रकला का मौलिक रूप मेवाड़ शैली में परिलक्षित होती है। यह मालव, अपभ्रंश व जैन कलाओ के सामंजस्य में ही अस्तित्व में आई। इस ग्रन्थ का चित्रण तेज सिंह के शासन काल में चित्रकार कमलचंद्र द्वारा किया गया।

**117. सावग-पडिकमण सुत्त चुन्नी (श्रावक प्रतिक्रमण सूत्र चूर्णी) ग्रन्थ किसके राजकाल के समय चित्रित हुआ-**

(a) मोकल (b) तेज सिंह
(c) कुम्भा (d) जयदेव सिंह

**JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016**

**Ans. (b) –** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**118. मेवाड़ चित्र शैली का सबसे प्राचीन चित्रित ग्रंथ है-**

(a) गीत गोविन्द
(b) रागमाला
(c) जयानक विजय
(d) सावग पदिक्कमनासूत्त चून्नी

**हाथकरघा निरीक्षक (उद्योग विभाग) भर्ती परीक्षा -2018**

**Ans. (d) –** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**119. मेवाड़ में रागमाला, रसिक प्रिया, गीत गोविन्द जैसे विषयों पर लघु चित्र शैली किस शासक के काल में चरम सीमा पर पहुंची?**

(a) महाराणा प्रताप (1572-1597)
(b) महाराणा अमरसिंह प्रथम (1597-1620)
(c) महाराणा कर्ण सिंह (1620-1628)
(d) महाराणा जगत सिंह (1628-1652)

**उत्तर :** (b)

**व्याख्या -** इस शैली में मानवाकृतियों में अण्डाकार चेहरे, लम्बी नुकीली नासिका, मीन नेत्र तथा आकृतियां छोटे कद की हैं। प्राकृतिक दृश्य के चित्र अलंकृत हैं। रागमाला के चित्रों में कृष्ण तथा गोपियों की लीलाओं में श्रृंगार रस का सजीव चित्रण है। रागमाला, रसिक प्रिया, गीत गोविन्द लघु चित्र शैली का चरम सीमा महाराजा अमर सिंह के शासन काल में पहुँची। मालती माधव के चित्रों का निर्माण मेवाड़ शैली में किया गया है।

**120. प्रसिद्ध चित्रकार धीमा, मीरबक्स, काशी एवं रामलखन राजस्थान की किस चित्रशैली से सम्बन्धित रहे?**

(a) शेखावाटी शैली (b) अलवार शैली
(c) देवगढ़ शैली (d) उणियारा शैली

**सहायक सांख्यिकी अधिकारी, 2018**

**Ans. (d) :** उनियारा शैली के श्रेष्ठ कलाकारों में धीमा, काशीराम, रामलखन व मीरबख्श प्रमुख है। उनियारा शैली पर जयपुर व बूँदी शैली का सर्वाधिक प्रभाव रहा है। इस शैली को विकसित करने में सर्वाधिक योगदान नरूका ठिकाने के वंश का रहा है। उणियारा शैली ढूँढ़ाड़ चित्र शैली की एक शाखा है।

**121. 'मालतीमाधव' के चित्र हैं:**

(a) मेवाड़ शैली
(b) बून्दी शैली
(c) किशनगढ़ शैली
(d) बीकानेर शैली

**Junior Engineer Non TSP 2015**

**Ans. (a) :** उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

**122. महाराणा प्रताप के शासन काल में कौनसी नयी चित्रकला शैली प्रारम्भ हुई थी?**

(a) देवगढ़ (b) नाथद्वारा
(c) चावण्ड (d) गोगुन्दा

**MVSI-2013**

**Ans. (c) :** चावण्ड मेवाड़ के राजपूत शासक महाराणा प्रताप की अंतिम राजधानी थी। चावण्ड शैली का प्रारम्भिक विकास महाराणा प्रताप के काल में हुआ। इस शैली का सर्वाधिक विकास राणा अमर सिंह के शासनकाल में हुआ। अमरसिंह के शासन काल में रागमाला के चित्र निसारदीन (नासिरूद्दीन) द्वारा चित्रित किये गये।

**123. अमर सिंह I के शासन काल में चावण्ड में रागमाला के चित्र किसके द्वारा चित्रित किये गये ?**

(a) साहबदीन (b) निसारदीन
(c) मनोहर (d) निहालचंद

**RPSC College Lecturer (Sanskrit Education) 2022**